

30 April The Hindu Line of Confidence

- पिछले एक दशक से, जम्मू कश्मीर की नियंत्रण रेखा (LOC) को अक्सर वाणिज्य और सहकारिता रेखा के रूप में जाना जाता था। क्रॉस एलओसी व्यापार भारत और पाकिस्तान के बीच विश्वास बनाने हेतु उपायों की शुरूआत का परिणाम था तथा राजनीतिक अस्थिरता के बीच एक रचनात्मक द्विपक्षीय संबंधों का प्रतिनिधि था।
- इस व्यापार से भारत-पाकिस्तान के विभाजन से अलग हुए परिवारों को बीच भी आसानी से आवागमन हो पाता था तथा आर्थिक व शांति संबंधों को बढ़ावा मिलता है।
- हाल ही में 18 अप्रैल को भारत सरकार द्वारा देश में हथियारों, नशीले पदार्थों और मुद्रा के अवैध प्रवाह के कारण इस व्यापार को स्थगित कर दिया।
- क्रॉस-एलओसी व्यापार पारस्परिक आधार पर वस्तुओं के बार्टर सिस्टम के रूप में किया जाता था।
- यह नई दिल्ली और इस्लामाबाद द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत एक मानक संचालन प्रक्रिया द्वारा आयोजित किया जाता था।
- यह व्यापार शून्य टैरिफ के आधार पर 21 श्रेणियों की वस्तुओं पर लागू था, तथा सप्ताह में 4 दिन होता था।
- जिसमें व्यापारियों को प्रति दिन 70 ट्रकों का आदान-प्रदान करने की अनुमति होती है। ट्रेड इन और ट्रेड-आउट माल तीन महीने की अवधि के भीतर प्रत्येक ट्रेडिंग फर्म के लिए संतुलित किया जाना था।

प्रमुख आकड़ें

- सालामाबाद ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर, उरी और चाकन-द बाग पुछं में पंजीकृत व्यापारियों की कुल संख्या लगभग 600 है।
- 2008 के बाद से व्यापार में वर्ष दर वर्ष औसतन 19 प्रतिशत की वृद्धि हुई, तथा अब तक व्यापार का मूल्य 6500 करोड़ से अधिक पहुंच गया।
- इस व्यापार से 1.6 लाख लोगों को रोजगार मिलता था।
- लगभग 1 लाख ट्रकों का आदान-प्रदान किया गया था।
- ये आकड़े इस संभावना का संकेत देते हैं कि इस व्यापार से जम्मू और कश्मीर के भीतर सामाजिक और आर्थिक विकास हुआ था।

कमियां

- इस व्यापार से आर्थिक लाभ के बावजूद कुछ परिचालन और नीतिगत कमियां थी। जैसे-वस्तुओं की सूची, जीएसटी, स्थानीय कराधान तंत्र के नियमों में स्पष्टता की कमी आदि।
- कई बार पंजीकृत व्यापारियों द्वारा अपना रजिस्ट्रेशन नंबर बेच दिया जाता है, जिससे वास्तविक व्यापारियों की संख्या में कमी आ गई। इससे मौसमी व्यापारियों की उपस्थिति बढ़ी जो कुछ ही महीनों के लिए सक्रिय होते हैं, जिससे वस्तु विनिमय व्यापार में नकारात्मक संतुलन हो जाता है।
- अन्य मुद्दों में कई आधारभूत संरचना की कमी जैसे - सीसीटीवी कैमरो और ट्रक स्कैनर की कमी, संचार माध्यम की अनुपस्थिति, गैर-कार्यात्मक वेट-ब्रिज, के कारण व्यापार में पारदर्शिता और निगरानी की कमी है।
- व्यापार के अप्रत्याशित निलंबन ने स्थानीय लोगों को प्रभावित किया हैं। व्यापारियों को नुकसान हुआ है क्योंकि उन्होंने अपना माल स्थानीय बाजारों में कम कीमत पर बेचा।

आगे का रास्ता क्या हो?

- व्यापार में कमियां तो निश्चित रूप हैं किन्तु सरकार द्वारा व्यापार की कमियों को दूर करने की जगह उसे अप्रत्याशित रूप से बंद करने का निर्णय विभिन्न हितधारकों के लिए नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ।

- क्रॉस एलओसी व्यापार को सुव्यवस्थित करने के लिए दोनों देशों द्वारा बुनियादी ढांचे और नीतिगत स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।
- सबसे पहले व्यापारियों के पुनः पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए, और वस्तुओं के व्यापार संबंधी नियमों को स्पष्ट किया जाए।
- व्यापार योग्य वस्तुओं की पहचान करने की आवश्यकता है जिससे जम्मू-कश्मीर की स्थानीय अर्थव्यवस्था लाभान्वित हो। वस्तुओं पर स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए आठ अंको का कोड सौंपा जाए और ट्रको की आवाजाही के साथ-साथ जीएसटी व अन्य स्थानीय करों में स्पष्टता हो। 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर टोकन सिस्टम की व्यवस्था हो। जिससे व्यापार पंजीकरण संख्या के दुरुपयोग को रोका जा सके।
- डिजिटलीकरण के माध्यम से विभिन्न नियामक एजेंसियों के लिए रिकॉर्ड रखने की प्रक्रिया को पारदर्शी आसान और सुलभ बनाना चाहिए।
- समयबद्ध रिमाइंडर्स के लिए नोटिफिकेशन सिस्टम के हो, व्यापार की निरंतरता के लिए शून्य टेरिफ पर बार्टर बैलेस के संतुलन के लिए रिमाइंडर द्वारा नोटिफिकेशन सिस्टम हो।
- जिन व्यापारियों द्वारा व्यापार नियमों का पालन न किया जाए तो उस पर डी-लिस्टिंग की प्रक्रिया लागू हों। किसी भी व्यापारी को निर्धारित समय अवधि से अधिक के लिए वस्तु विनिमय में नकारात्मक संतुलन के लिए व्यापार से निलंबित किया जाए।
- एलओसी के दोनों पक्षों में व्यापार सुविधा अधिकारियों के बीच नियमित बैठक हो, ताकि इस तरह की व्यापारिक गतिविधियों के बीच समन्वय सुनिश्चित हों और गैर पंजीकृत व्यापारियों की सूची का आदान-प्रदान किया जा सके।
- बुनियादी ढांचे का उन्नयन जैसे ट्रक स्कैनर सुरक्षा के लिए कार्यात्मक सीसीटीवी कैमरे और प्रतिबंधित वस्तुओं नशीले पदार्थों और हथियारों की जांच आवश्यक है।
- इस व्यापार के निर्वाह हेतु नियमित नीति और परिचालन-स्तर के हस्तक्षेप की आवश्यकता है ताकि स्थानीय स्तर की आबादी को नकारात्मक प्रभाव से बचाया जा सके।

मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न- जम्मू-कश्मीर के स्थानीय आबादी के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण क्रॉस एलओसी व्यापार की परिचालनात्मक कमियों व सुधार के उपायों की समीक्षा कीजिए।